उत्तर प्रदेश में मोहन सराय से मुगल सराय तक बाई-पास का निर्माण

1910. **श्री मोहम्मद मसूद खानः**
श्री वसीम अहमदः
श्री अखिलेश दासः
श्री मोहम्मद आज़म खानः

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वाराणसी (उ०प्र०) में मोहन सराय से मुगल सराय तक जी०टी० रोड पर बाई-पास तथा गंगा नदी पर पुल बनाने का कार्य किस तिथि से शुरू किया गया था और इसके पूरा होने की अंतिम तिथि क्या निर्धारित की गई थी;

(ख) उपरोक्त परियोजना के लिए शुरू में कितनी धनराशि निर्धारित की गई थी और अब तक कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है;

(ग) इस परियोजना की प्रगति का प्रतिशत ब्यौरा क्या है;

(घ) इस परियोजना को समय से पूरा न करने के लिए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है और यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ङ) उपरोक्त परियोजना को पूरा करने के लिए अन्तिम तिथि क्या निर्धारित की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) परियोजना के शुरू होने और पूरा होने की प्रारंभिक तारीखें इस प्रकार हैं:—

	शुरू होने की तारीख	पूरा होने की प्रारंभिक तारीख
मोहन सराय से मुगल सराय तक बाइपास सड़क	1.11.87	1.4.91
गंगा नदी पर पुल	31.12.88	30.12.92

(ख) यह परियोजना प्रारंभ में 49.92 करोड़ रु० की लागत पर स्वीकृत की गई थी। इस परियोजना की अनुमोदित संशोधित लागत 122.59 करोड़ रु० है। जनवरी, 1997 तक 97.15 करोड़ रु० का व्यय हुआ।

(ग) से (ङ) बाईपास के निर्माण में विलम्ब मुख्यतः मूल ठेकेदार द्वारा कार्य न करने के कारण हुआ। तदनुसार उसका ठेका रद्द कर दिया गया और यह कार्य जून, 1993 में सोमा सड़क संगठन को सौंप दिया गया है। पुल के निर्माण में विलम्ब मुख्यतः विनिर्देशों में परिवर्तन के कारण हुआ जो कार्य शुरू करने से पहले डिजाइन में संशोधन के कारण आवश्यक हो गया था। बाईपास के निर्माण में प्रगति लगभग 50% और गंगा नदी पर पुल के निर्माण के मामले में लगभग 95% है। इस परियोजना को दिसम्बर, 1997 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

कपड़ा उत्पादन

1911. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1995-96 में देश में मिलों, विद्युतकरघा, हथकरघा और हौजरी क्षेत्रों में कुल कपड़ा उत्पादन का क्रमशः 6.42 प्रतिशत, 54.68 प्रतिशत, 22.89 प्रतिशत और 16.01 प्रतिशत उत्पादन किया गया था;

(ख) यदि नहीं, तो इस विषय में सरकार का क्या अनुमान है;

(ग) क्या सरकार ने इस बात का पता लगाया है कि इन विभिन्न क्षेत्रों द्वारा किए गए कुल वस्त्र उत्पादन का कितना-कितना प्रतिशत निर्यात किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो विभिन्न क्षेत्रों द्वारा निर्यात किए गए कपड़े की कुल मात्रा और इस प्रकार अर्जित की गई विदेशी मुद्रा का ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) और (ख) वित्तीय वर्ष 1995-96 के दौरान, देश में कपड़े के उत्पादन में मिल, हथकरघा,